उत्तर प्रदेश सरकार
UPSSSC PET 2026
SelectionWay
हिंदी
संधि
Demo Class : 02
Time :
08:30 AM
By Arun Sir

SelectionWay
Now way of Learning
हिंदी
SPECIAL BATCH
LIVE BATCH
कोर्स वैधता : 1 YEARS
ADMISSION START
11 AUG
BATCH START
17 AUG
USEFUL FOR
SSC GD
UPSI, UP Constable, बिहार, म0 प्र0, राजस्थान, सिपाही & दरोगा
UPSSSC, PET, Lekhpal, VDO
Practice Sheets
CTET, SUPERTET, All TET
PRT, TGT, PGT All State Teacher's
INCLUDES
Live Classes
Pdf Notes & 100+ Tests
E-Book, Class Notes, All Exams
Practice Sheets
Topic-Wise PYQ,शॉर्ट ट्रिक, अपवाद
साहित्य, व्याकरण, काव्य, शब्दावली-विविध
ARUN SIR
Course Fee : 99/-
GET IT ON
Download

Whatsapp : 837-394-80-00
Call No. 638-897-46-50
SelectionWay
Now way of Learning
UPSSSC
PET 2026
ADMISSION STARTS
11 AUG
• LIVE CLASSES
BATCH STARTS
17AUG
VALIDITY : 1 YEAR
MATHS
Gagan Sir
REASONING
Vikramjeet Sir
POLITY
Shubham Sir
GEOGRAPHY ECONOMICS
Varun Sir
HISTORY POLITY
Jeet Sir
SCIENCE
Harish Sir
English
Aman sir
SCIENCE
Radhika Ma'am
HINDI
Arun Sir
पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की PDF एवं कक्षा नोट्स
परीक्षा में बेहतर अंक के लिए विशेष रणनीति
विशेषज्ञ शिक्षकों की लाइव कक्षाएँ
COURSE FEE
₹199/-
GET IT ON
Google Play
Download Selectionway App

संधि

① वर्तनी
② अशुद्ध वाक्य
③ पर्यायवाची
④ शब्दार्थ
× उपसर्ग
× प्रत्यय

प्र०1
= ① गुरूपेदश ② गुरूपदेश

प्र०2
① दुरूपेयाग ② दुरूपयोग

प्र०3
① अभ्युदय ② अभ्यूदय

प्र०④
① पितृण ② पितृण

गुरूपदेश, दुरुपयोग, अभ्युदय, पितृण ✓

गुरु + उपदेश, दुर् + उपयोग, अभि + उदय, पितृ + ऋण

उ + उ = ऊ, र् + उ = रु, इ + उ = यु, ऋ + ऋ = ॠ

गुरूपदेश ×, दुरूपयोग, अभ्युदय, पितृण

(उ) ×, ऊ ×, अभ्युदय, पितृ + ण ×

नदीश , वारिधि , कपीश , रजनीश , नरेन्द्र

नदी + ईश   वारि + धि   कपि + ईश , रजनी + ईश , नर + इन्द्र

✓ ✓ ✓ ✓ ✓

सागर / समुन्द्र   सागर / समुन्द्र   हनुमान   चन्द्रमा   राजा / नृप

स्वर संधि के भेद – ⑤

① दीर्घ संधि –

① जहाँ दो सजातीय (एक जैसे) स्वर वर्णों का मेल हो।

② जहाँ किन्हीं दो एक जैसे वर्णों के योग से आ, ई, ऊ, ॠ दीर्घ वर्ण बनें।

③

i)	अ + अ =	आ
ii)	इ + इ =	ई
iii)	उ + उ =	ऊ
iv)	ऋ + ऋ =	ॠ

OK / YES

अ + अ = आ
आ + आ = आ
अ + आ = आ
आ + अ = आ

इ + इ = ई
ई + ई = ई
इ + ई = ई
ई + इ = ई

उ + उ = ऊ
ऊ + ऊ = ऊ
उ + ऊ = ऊ
ऊ + उ = ऊ

ऋ + ऋ = ॠ
ॠ + ॠ = ॠ
ऋ + ॠ = ॠ
ॠ + ऋ = ॠ

⇒ सजातीय वर्ण ✓

॥

एक जैसे वर्ण ✓

विद्यालय , आवार्ध , दयानन्द , पुरावशेष , कार्यालय

विद्या + आलय   भाव + अर्थ   दया + आनन्द   पुरा + अवशेष   कार्य + आलय

अ + आ = आ   अ + अ = आ   आ + आ = आ   आ + अ = आ   अ + आ = आ

1 रविन्द्र ✗, 2 रविश ✗, 3 नदिश ✗. 4 कविन्द्र ✗, 5 रजनीश ✓

रवि + इन्द्र, रवि + ईश, नदी + ईश, कवि + इन्द्र, रजनी + ईश

इ + इ = ई, इ + ई = ई, ई + ई = ई, इ + ई = ई, ई + ई = ई

रवीन्द्र, रवीश, नदीश, कवीन्द्र, रजनीश = शुद्ध वर्तनी

A, B, C, D

लघूर्मि, भानूदय, वधूत्सव, जंबूष्मा = शुद्ध वर्तनी

लघु + ऊर्मि, भानु + उदय, वधू + उत्सव, जंबू + ऊष्मा

उ + ऊ = ऊ, उ + उ = ऊ, ऊ + उ = ऊ, ऊ + ऊ = ऊ

A. ~~पितृऋण~~ ✗ (ऋ ऋ)

B. ~~पितृृण~~ ✗

C. पितृण ✗

D. ~~सभी~~ ✗

पितृ + ण

पितृ + ऋण = पितॄण

ऋ + ऋ = ॠ

ओम = ऊऊम

मातॄण

मातृ + ऋण

ऋ + ऋ = ॠ

② यण संधि –

1. जहाँ शब्द के बीचोंबीच अन्तःस्थ वर्ण य, र, ल, व हो तथा इनसे पहले कोई आधा व्यंजन हो।

2. जहाँ किन्हीं दो स्वर वर्ण के मेल से य, र, ल, व वर्ण बनें।

नोट :- ① यण एक प्रत्याहार है जिसका अन्य नाम अन्तःस्थ वर्ण होता है।

② यण संधि में ल वर्ण से कोई संधि का शब्द नहीं बनता है।

प्रत्यक्ष , प्रत्याहार , प्रत्यूष , न्यून , प्रत्येक

प्रति + अक्ष   प्रति + आहार , प्रति + ऊष , नि + ऊन   प्रति + एक

इ + अ = य   इ + आ = या   इ + ऊ = यू   इ + ऊ = यू   इ + ए = ये

य
या
यू
ये